27/10/2022

पाठ-6

बुनकर, लोहा बनाने वाले और फैक्ट्री मालिक

प्र① यूरोप में किस तरह के कपड़ो की भारी माँग थी?

उत्तर - इसमें प्रमुख रूप से भिन्न किस्में शामिल थी- मस्लिन (मलमल), कैलिको, शिंट्ज (छींट), कोसा, जामदानी और बंडाना आदि लगभग 98 किस्मों का वर्णन है। इस आधार पर यह कहा जा सकता है कि सूती व रेशमी वस्त्रों की अत्यधिक मांग थी।

प्र② जामदानी क्या है?

उत्तर - यह सामान्यत: सफेद और स्लेटी (ग्रे) रंग का कपड़ा होता था जिस पर करघे में सजावटी चिह्न बुने जाते थे और इसकी बुनाई के लिए सूती व स्वर्ण तारों का प्रयोग किया जाता था। इसकी बुनाई का प्रसिद्ध केन्द्र बंगाल का ढाका और संयुक्त प्रान्त लखनऊ था।

प्र③ बंडाना क्या है?

उत्तर - बंडाना शब्द हिन्दी के बंधन से निकला है जिसका प्रयोग गले या सिर पर बाँधे जाने वाले रंगीन वस्त्र के लिए किया जाता है। बंडाना शब्द का प्रयोग राजस्थान व गुजरात में अधिक किया जाता है। इसमें सोने की कढ़ाई के जरिये रेशमी कपड़े के टुकड़े को दो भागों में बाँधा जाता था।

प्र④ अगरिया कौन होते है?

उत्तर - बिहार तथा मध्य भारत में लोहा पिघलाकर लौह-इस्पात बनाने वाले लोगो को अगरिया कहा जाता है।